राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 25वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) के दौरान ओटावा में रहने वाले भारतवंशियों के समक्ष माननीय लोकसभा अध्यक्ष का भाषण

---

06 से **10 जनवरी, 2020**

ओटावा, कनाडा

इस खूबसूरत शहर ओटावा में आज शाम आपके बीच आकर मुझे वास्तव में बहुत खुशी हो रही है। इस अवसर पर मुझे और शिष्टमंडल के सदस्यों को इस स्वागत समारोह में आमंत्रित करने के लिए हमारे कार्यवाहक उच्चायुक्त श्री अंशुमान गौड़, और भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों को मैं धन्यवाद देता हूं। ओटावा में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों और यहाँ उपस्थित सभी विशिष्ट सदस्यों को मेरी ओर से नव वर्ष की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।

मित्रो, भारत और कनाडा के बीच ऐतिहासिक संबंध 19 वीं सदी के उत्तरार्द्ध से शुरू होता है, जब थोड़ी-थोड़ी संख्या में भारतीय लोग ब्रिटिश कोलंबिया की ओर पलायन करने लगे। भारत और कनाडा के द्विपक्षीय संबंधों में हाल के वर्षों में एक परिवर्तन आया है जो लोकतांत्रिक मूल्यों के साझा करने, बहुलवाद, आर्थिक संबंधों के विस्तार, नियमित रूप से उच्च स्तर की बातचीत और लंबे समय तक दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंधों के कारण संभव हो पाया है। राजनीतिक स्तर पर, हाल के वर्षों में नियमित उच्च स्तरीय बातचीत से संबंधों में और सुधार हुआ है। गत वर्षों के दौरान, द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत तंत्र का सहारा लिया गया है। अप्रैल, 2015 में हमारे प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी की कनाडा की यात्रा ऐतिहासिक थी। इस यात्रा के परिणामस्वरूप, द्विपक्षीय संबंध अब रणनीतिक साझेदारी में बदल गई है। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने कनाडा के राजनीतिक, व्यापारिक और शैक्षणिक जगत के प्रमुख व्यक्तियों के साथ व्यापक चर्चा की और 16 अप्रैल को टोरंटो में भारतीय मूल के लगभग 10,000 लोगों और भारत के मित्रों को भी संबोधित किया। फरवरी 2018 में प्रधान मंत्री ट्रूडो की भारत यात्रा के दौरान भी द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त हुई थी।

दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध हमारे द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण घटक है। भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2018-19 में 6.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था। वर्ष 2018-19 में कनाडा को किया गया भारत का निर्यात 2.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था और इसी वर्ष 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आयात किए गए थे। कनाडा में भारत द्वारा किया गया प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 2.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था और भारत में कनाडा द्वारा किया गया प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 1.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था।

कनाडा की पेंशन फंड्स ने अब तक भारत में करोड़ों डॉलर के निवेश की वचनबद्धता जतायी है और भारत को निवेश के लिए एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रहे हैं। भारत में कनाडा की 400 से अधिक कंपनियां कार्यरत हैं, और 1,000 से अधिक कंपनियां भारतीय बाजार में सक्रिय रूप से कारोबार कर रही हैं। भारत और कनाडा व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) और द्विपक्षीय निवेश संवर्धन और भागीदारी समझौता (बीआईपीपीए/ एफआईपीए) पर चर्चा कर रहे हैं।

कनाडा की संसद कनाडा-भारत संसदीय मैत्री समूह (सीआईपीईजी) का नए सिरे से गठन करने की प्रक्रिया में है। कनाडाई राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के एक छह सदस्यीय (संसद सदस्य/ सीनेटर) शिष्टमंडल ने सितंबर, 2016 में भारत का दौरा किया। जनवरी 2018 में कनाडा के चार सांसदों ने नई दिल्ली में पहली बार आयोजित भारतीय मूल के लोगों के संसदीय सम्मेलन में भाग लिया। संसदीय शिष्टमंडलों के ये आदान प्रदान विभिन्न राष्ट्रों के बीच परस्पर सम्पर्क स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम होते हैं तथा उन राष्ट्रों के बीच आपसी समझ, सहयोग और मैत्री को और प्रगाढ़ करने में भी सहायता प्रदान करते हैं।

जैसाकि आप जानते हैं, लगभग 1.6 मिलियन (पीआईओ तथा एनआरआई) अर्थात् सर्वाधिक भारतीय प्रवासी कनाडा में रहते हैं जो कनाडा की कुल जनसंख्या के 3 प्रतिशत से भी अधिक है। मुख्य रूप से ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र, ग्रेटर वैंकूवर क्षेत्र, मॉन्ट्रियल, कैलगरी, ओटावा और विनिपेग में निवास कर रहे भारतवंशी कनाडा में सभी क्षेत्रों में अपना बहुत ही सराहनीय योगदान दे रहे हैं। यह जानकर हमें बहुत खुशी है कि आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी आप निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। राजनीति के क्षेत्र में विशेषकर वर्तमान हाउस ऑफ कॉमन्स में भारतीय मूल के कुल 21 संसद सदस्य हैं। इसमें कनाडा मंत्रीमंडल में भारतीय मूल के चार मंत्री भी शामिल हैं। भौगोलिक दृष्टि से दूर होने के बावजूद भी भारतीय समुदाय के बीच अपने मूल देश के प्रति सांस्कृतिक और भावात्मक जुड़ाव का भाव रहा है।

मित्रो, भारत कई क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। हमारी उपलब्धियों का लोहा आज पूरी दुनिया मानती है तथा विश्व स्तर पर भारत की सराहना भी की जा रही है। जैसाकि आप जानते हैं, भारत सरकार ने उच्च लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इनमें वर्ष 2030 तक 450 गीगा वाट की स्वच्छ ऊर्जा को सृजित करना, हमारी शासन और निर्णय लेने की प्रकियाओं को डिजिटलाइज करना जैसे कुछ लक्ष्य शामिल है। हमारी सरकार नदियों को स्वच्छ बनाने तथा अगले पाँच वर्षों में 40 प्रतिशत के स्थान पर स्वच्छता के कवरेज को शत प्रतिशत करने की मंशा रखती है। सरकार ने पूरे देश में एकल अप्रत्यक्ष कर प्रणाली भी शुरू की है और सक्रिय रूप से भ्रष्टाचार को दूर करने और अगले पाँच वर्षों में पाँच ट्रिलियन अमेरिकी डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करना चाहती है।

हम उस बदलाव के लक्ष्य को प्राप्त करने के पथ पर अग्रसर हैं। वैश्विक मंदी के बावजूद भारत की विकास दर ऊंची रही है और इसे रिकार्ड विदेशी निवेश भी प्राप्त हुआ है। विश्व बैंक के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में हमारी रैंकिंग में पाँच सालों के दौरान 79 पायदानों की वृद्धि हुई है। भारत सरकार द्वारा हमारे कानूनों, नीतियों, संस्थाओं और प्रक्रियाओं में सुधार लाने के लिए किए गए साहसिक उपायों से हमारे युवा वर्ग का उत्साह बढ़ा है और हमने उनमें आशा का संचार किया है। हमारे विनिर्माण क्षेत्र में प्रगति हो रही है; हमारे कृषि क्षेत्र में अधिक उत्पादन हो रहा है और यह परिस्थितियों के अनुकूल बनता जा रहा है तथा अच्छी सेवाएं प्रदान की जा रही है। हमारे युवा वर्ग में वैश्विक कौशल का विकास; स्टार्ट अप उद्यमों के क्षेत्र में क्रांति लाना; और धरती पर प्रतिकूल प्रभाव न डालने वाली आधुनिक बुनियादी सुविधाओं का निर्माण अब हमारी प्राथमिकता बन चुकी है।

भारत में मजबूत अर्थव्यवस्था के उद्देश्य से अनुकूल परिस्थितियाँ बनाने हेतु सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए हमें अगले पांच वर्षों में 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डालर के निवेश की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, हमें अपने देश के सतत् विकास और प्रगति के लिए विदेश में रह रहे भारतीय समुदाय के निरंतर सहयोग की आवश्यकता है। भारत सरकार ने भारतीय मूल के लोगों के कल्याण को सदैव ही सर्वोपरि रखा है और उनके बहुमूल्य योगदान के महत्व को भी स्वीकारा है। प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन, जो भारतीय मूल के लोगों का एक समारोह है, भारत में एक लोकप्रिय आयोजन बन गया है और विशेष रूप से उन लोगों को आकृष्ट करता है जो भारत

से बाहर बसे हुए हैं। यह प्रवासी भारतीयों को एक साथ लाने, एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने और अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने तथा अपनी समस्याओं, यदि कोई हों तो, का समाधान करने के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करता है।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं कार्यवाहक उच्चायुक्त द्वारा किए गए आतिथ्य सत्कार तथा उनके द्वारा गर्मजोशी से हमारा स्वागत करने के लिए एक बार फिर उन्हें धन्यवाद देता हूं। इस आयोजन में शामिल होने के लिए मैं आप सबको भी धन्यवाद देता हूं।